

WORKSHEET 3 – अंक ७

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़िए ।

मानव को सामाजिक प्राणी होने के नाते कुछ सामाजिक मर्यादाओं का पालन करना पड़ता है । समाज की इन मर्यादाओं में सत्य, आहिंसा, परोपकार, विनम्रता आदि अनेक गुण होते हैं । इन गुणों को यदि सामूहिक रूप से एक नाम देना चाहे तो यह सब सदाचार के अन्तर्गत आ जाते हैं । सदाचार एक ऐसा व्यापक शब्द है जिसमें समाज को लगभग सभी मर्यादाओं का पालन हो जाता है । अतः सामाजिक व्यवस्था के लिए सदाचार का सर्वाधिक महत्व है । सदाचार शब्द यौगिक है, दो शब्दों से मिलकर बना है - सद् + आचार, जिसका भावार्थ है उत्तम आचरण अर्थात् जीवन की वह पद्धति जिसमें सत्य का समन्वय है, जिसमें कहीं भी ऐसा न हो जो असत्य कहा जा सके । सदाचार संसार का सर्वोत्कृष्ट पदार्थ है । विद्या, कला, कविता, धन अथवा राजस्व, कोई भी सदाचार की तुलना नहीं कर सकता । सदाचार प्रकाश का अनन्त स्रोत है ।

क. उपर्युक्त सार का शीर्षक देते हुए अपनी अभ्यास पुस्तिका में रूप-रेखा तैयार कीजिए ।

अंक २

ख. पूरे सार को लगभग ४०-४५ शब्दों में अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिए ।

अंक ५